

囲碁・将棋大会

市内の囲碁・将棋同好会の8月の例会結果です

福津市将棋同好会

今回は、11月10日(土)10:00から大和町公民館で開催します。

	1位	2位
A	北原 秀誠	春日 久行
B	中橋 一夫	松田 滝男
C	佐野 五郎	大隈 勲
D	安波 寛	仲上 徹志
E	大隈 義和	花田 友行

連 村上 良明 ☎080・3973・8932

福津市囲碁会

今回は、11月18日(日)9:50受付締め切りで、市中央公民館和室で開催します。

	1位	2位
1	向井 麻郎	有山 伸司
2	吉田 幸博	田中 英則
3	松本 正美	井本 雅文
4	廣瀬 博喜	木植 宏
5	藤井 脩	小田 邦彦
6	森北 新吉	岡田 和憲
7	春藤 哲夫	奥川 和孝

連 井本 雅文 ☎090・9796・1099

紙面の都合上、上位者のみの掲載です。

福津市実年囲碁会

今回は、11月6日(火)、11月20日(火)10:00受付締め切りで、市中央公民館和室で開催します。

	1位	2位
1	有山 伸司	吉田 哲雄
2	魚住 洋二	的野 信行
3	松尾 正久	佐藤 辰夫
4	花田 和彦	林田 健介
5	石井 隆夫	加村 光義
6	桜井 峰治	森北 新吉
7	佐藤 亘弘	宗平 正
8	肥高 勲	鶴留 明
9	春藤 哲夫	白石 尚史

連 満生 忠雄 ☎43・2420

津屋崎囲碁同好会

今回は、11月17日(土)9:30から福津市文化会館で開催します。

	1位	2位
A	掘 勝司	猪俣 征雄
B	石松 良治	林田 健介
C	井本 雅文	藤井 義孝
D	田中 敏一	島崎 一彦

連 永島 和美 ☎52・5610

(敬称略)

地域の日

●市郷育推進課 ☎62・5078

奇数月の第3土曜・日曜日は「地域の日」です。地域で活躍している団体などを紹介します。地域の活動に参加しませんか。あなたの団体もご紹介ください。

青少年育成市民の会



▲昨年の善行者表彰式

福津市青少年育成市民の会では、例年「青少年のつどい」(今年度「FUKUTSUコミュニティフェスタ」と名称変更)で、青少年健全育成のために長年尽力したり他の模範となる活動を行ったりしている人や団体を、「善行者」として表彰しています。表彰にふさわしいと思われる活動をしている個人や団体をご存知の人は市郷育推進課までお知らせ下さい。

あじさいロード

[地域婦人会だより]

市地域婦人会員で組織する「西郷川を守る会」がこのほど、県知事から河川愛護運動に係る感謝状を受けました。これは、市地域婦人会が四半世紀にわたり、西郷川沿いのあじさいロード(旭橋から越田橋までの約1km)を維持管理してきたことに対し、贈られたものです。

活動のきっかけは、西郷川の水質悪化に危機感を抱いた会員があじさいを植えたことでしたが、今では、市役所や市シルバー人材センター、近隣住民の皆さんにも活動の輪が広がり、下草刈りや花殻摘み、施肥等の作業を年3回ほど、行っています。近隣住民からも最近では、「梅雨空に咲くあじさいの花が楽しみです」との言葉をいただくようになり、今回の受賞をきっかけに一層活動の輪を広げていきたいと思っています。

このコーナーでは、地域婦人会の活動を紹介します。

会長 乙藤領子

アンビシャス広場

●市郷育推進課 ☎62・5078



アンビシャス広場とは、子どもたちが放課後や休日に地域で安心して立ち寄ることのできる「居場所」です。

つやぎアンビシャス広場



▲ピザのピーマンも細く切れました

毎週火曜、水曜日の放課後に津屋崎小学校家庭科室や体育館で、さまざまな料理体験や野外活動などを行なっています。6月10日の「子どもまるごと体験フェスティバル」では手裏剣のお店を開きました。夏休みはちらし寿司や手打ちうどん作りなどを楽しみました。子どもたちは体験を重ねる度に、いろいろなことが出来るようになっていきます。料理の腕も上がり、高学年になると包丁さばきや段取りが良くなり、スタッフも安心して見守っています。

心の歌

市内の愛好会のかたの作品です。一般投稿の締め切りは、前月15日です。
受付 市中央公民館 ☎43・2100 FAX43・2868

【虹の会】

もう傘寿履きよい靴を選ぶ店
断層が語る地球の未来像
百年の響きを刻む古時計
部屋探しおひとり様はお断り
南極を思い浮かべて夕日見る
フェアプレイ指導の裏で黒い影
子に孫に囲まれ喜寿のいのち研ぐ
ジャンプして越えた昨日の水溜まり
パレットの気持ち絵の具でわかつちゃう小四
蟻の列だろりと動くことが好き
登山靴初心はどこへ行ったやら
ライバルを超える新たな汗をかく
厄年のジャンプで過去を消してきた
断捨離は苦手昭和に叱られる
復興の願いを重ね千羽鶴
カンナ燃ゆ今日の賢沢午後の風呂
さなぎから蝶へジャンプの初ゆかた
あなたにはまだ見せてない断面図
ナルシスト稲もわたしも捻る秋

【やぶつみ短歌会】

驟雨の夜の帳をひきさいて
救急サイレン近づき来たる
竹林の奥より人の声がする
私も行ききたしただけのこ掘りに
大峰山を左へ曲がる坂径の
葉莢も終りしか今朝蟬が啼く

【一般投稿】

ことさらに目立つ庭木にあらねども
栴に降る雨音やさし
横断歩道を童ら帰りつつ
キャツキャツと屈託の無き笑い響き来
猛暑日にコンビニ入れれば先ずコーヒー
あふれる程の氷のカップに

新涼や盆栽色気だすけは
青天にセミの声聞きまた酷暑
秋の朝若返りしと歌げいこ
泊まる部屋覚えたころに次の宿
湯上りのおくれ毛涼し山の宿
ポジティブに生きよ生きよと曼珠沙華
星空に戻る花火の余韻かな
クモの巣を仰いで見れば白いクモ
曼珠沙華里に群れ咲く人恋し
秋時雨大地に染みて草踊る
新学期健やかな子ら活気もらう
夢覚めて静寂深める虫の声
古希喜寿はまだまだ若いと白寿老
変りゆく庭木の色も又楽し
銀杏散る賽銭あげし狛犬に
今日も万歩が出来ますように
種蒔きて育てし百合の花開く
手折るに惜しく日毎愛でけり
麻酔とふ安堵の味は知らずして
妻の声聞く二度目の安堵に
災害後「心行桜」へツアード
道は新たに山は金網
かわはぎといかを拾いし日のありき
福岡漁港海浜公園
古里の訛り聞きおり友が来て
昭和の顔に戻りて癒され

投稿する場合、氏名と作品の常用漢字以外等には、必ず振り仮名をふってください。

(敬称略)

- | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 徳永 | 佐々 | 阿部 | 方木 | 坂口 | 川本 | 江口 | 土反 | 森脇 | 吉川 | 佐藤 | 本間 | 中島 | 佐々 | 中原 | 藤井 | 都合 | 宮本 | 安部 | 古賀 | 北 | 島 | 富 | 野 | 山 | 柳 | 小 | 細 | 中 | 安 | 空 | 白 | 百 | 藤 | 水 | 下 | 榎 | 実 | 長 | 柳 | 中 | 宮 | 河 | 井 | 山 | 野 | 富 | 野 | 山 | 柳 | 小 | 細 | 中 | 安 | 空 | 白 | 百 | 藤 | 水 | 下 | 榎 | 実 | 長 | 柳 | 中 | 宮 | 河 | 井 | 山 | 野 | 富 | 野 | 山 | 柳 | 小 | 細 | 中 | 安 | 空 | 白 | 百 | 藤 | 水 | 下 | 榎 | 実 | 長 | 柳 | 中 | 宮 | 河 | 井 | 山 | 野 | 富 | 野 | 山 | 柳 | 小 | 細 | 中 | 安 | 空 | 白 | 百 | 藤 | 水 | 下 | 榎 | 実 | 長 | 柳 | 中 | 宮 | 河 | 井 | 山 | 野 | 富 | 野 | 山 | 柳 | 小 | 細 | 中 | 安 | 空 | 白 | 百 | 藤 | 水 | 下 | 榎 | 実 | 長 | 柳 | 中 | 宮 | 河 | 井 | 山 | 野 | 富 | 野 | 山 | 柳 | 小 | 細 | 中 | 安 | 空 | 白 | 百 | 藤 | 水 | 下 | 榎 | 実 | 長 | 柳 | 中 | 宮 | 河 | 井 | 山 | 野 | 富 | 野 | 山 | 柳 | 小 | 細 | 中 | 安 | 空 | 白 | 百 | 藤 | 水 | 下 | 榎 | 実 | 長 | 柳 | 中 | 宮 | 河 | 井 | 山 | 野 | 富 | 野 | 山 | 柳 | 小 | 細 | 中 | 安 | 空 | 白 | 百 | 藤 | 水 | 下 | 榎 | 実 | 長 | 柳 | 中 | 宮 | 河 | 井 | 山 | 野 | 富 | 野 | 山 | 柳 | 小 | 細 | 中 | 安 | 空 | 白 | 百 | 藤 | 水 | 下 | 榎 | 実 | 長 | 柳 | 中 | 宮 | 河 | 井 | 山 | 野 | 富 | 野 | 山 | 柳 | 小 | 細 | 中 | 安 | 空 | 白 | 百 | 藤 | 水 | 下 | 榎 | 実 | 長 | 柳 | 中 | 宮 | 河 | 井 | 山 | 野 | 富 | 野 | 山 | 柳 | 小 | 細 | 中 | 安 | 空 | 白 | 百 | 藤 | 水 | 下 | 榎 | 実 | 長 | 柳 | 中 | 宮 | 河 | 井 | 山 | 野 | 富 | 野 | 山 | 柳 | 小 | 細 | 中 | 安 | 空 | 白 | 百 | 藤 | 水 | 下 | 榎 | 実 | 長 | 柳 | 中 | 宮 | 河 | 井 | 山 | 野 | 富 | 野 | 山 | 柳 | 小 | 細 | 中 | 安 | 空 | 白 | 百 | 藤 | 水 | 下 | 榎 | 実 | 長 | 柳 | 中 | 宮 | 河 | 井 | 山 | 野 | 富 | 野 | 山 | 柳 | 小 | 細 | 中 | 安 | 空 | 白 | 百 | 藤 | 水 | 下 | 榎 | 実 | 長 | 柳 | 中 | 宮 | 河 | 井 | 山 | 野 | 富 | 野 | 山 | 柳 | 小 | 細 | 中 | 安 | 空 | 白 | 百 | 藤 | 水 | 下 | 榎 | 実 | 長 | 柳 | 中 | 宮 | 河 | 井 | 山 | 野 | 富 | 野 | 山 | 柳 | 小 | 細 | 中 | 安 | 空 | 白 | 百 | 藤 | 水 | 下 | 榎 | 実 | 長 | 柳 | 中 | 宮 | 河 | 井 | 山 | 野 | 富 | 野 | 山 | 柳 | 小 | 細 | 中 | 安 | 空 | 白 | 百 | 藤 | 水 | 下 | 榎 | 実 | 長 | 柳 | 中 | 宮 | 河 | 井 | 山 | 野 | 富 | 野 | 山 | 柳 | 小 | 細 | 中 | 安 | 空 | 白 | 百 | 藤 | 水 | 下 | 榎 | 実 | 長 | 柳 | 中 | 宮 | 河 | 井 | 山 | 野 | 富 | 野 | 山 | 柳 | 小 | 細 | 中 | 安 | 空 | 白 | 百 | 藤 | 水 | 下 | 榎 | 実 | 長 | 柳 | 中 | 宮 | 河 | 井 | 山 | 野 | 富 | 野 | 山 | 柳 | 小 | 細 | 中 | 安 | 空 | 白 | 百 | 藤 | 水 | 下 | 榎 | 実 | 長 | 柳 | 中 | 宮 | 河 | 井 | 山 | 野 | 富 | 野 | 山 | 柳 | 小 | 細 | 中 | 安 | 空 | 白 | 百 | 藤 | 水 | 下 | 榎 | 実 | 長 | 柳 | 中 | 宮 | 河 | 井 | 山 | 野 | 富 | 野 | 山 | 柳 | 小 | 細 | 中 | 安 | 空 | 白 | 百 | 藤 | 水 | 下 | 榎 | 実 | 長 | 柳 | 中 | 宮 | 河 | 井 | 山 | 野 | 富 | 野 | 山 | 柳 | 小 | 細 | 中 | 安 | 空 | 白 | 百 | 藤 | 水 | 下 | 榎 | 実 | 長 | 柳 | 中 | 宮 | 河 | 井 | 山 | 野 | 富 | 野 | 山 | 柳 | 小 | 細 | 中 | 安 | 空 | 白 | 百 | 藤 | 水 | 下 | 榎 | 実 | 長 | 柳 | 中 | 宮 | 河 | 井 | 山 | 野 | 富 | 野 | 山 | 柳 | 小 | 細 | 中 | 安 | 空 | 白 | 百 | 藤 | 水 | 下 | 榎 | 実 | 長 | 柳 | 中 | 宮 | 河 | 井 | 山 | 野 | 富 | 野 | 山 | 柳 | 小 | 細 | 中 | 安 | 空 | 白 | 百 | 藤 | 水 | 下 | 榎 | 実 | 長 | 柳 | 中 | 宮 | 河 | 井 | 山 | 野 | 富 | 野 | 山 | 柳 | 小 | 細 | 中 | 安 | 空 | 白 | 百 | 藤 | 水 | 下 | 榎 | 実 | 長 | 柳 | 中 | 宮 | 河 | 井 | 山 | 野 | 富 | 野 | 山 | 柳 | 小 | 細 | 中 | 安 | 空 | 白 | 百 | 藤 | 水 | 下 | 榎 | 実 | 長 | 柳 | 中 | 宮 | 河 | 井 | 山 | 野 | 富 | 野 | 山 | 柳 | 小 | 細 | 中 | 安 | 空 | 白 | 百 | 藤 | 水 | 下 | 榎 | 実 | 長 | 柳 | 中 | 宮 | 河 | 井 | 山 | 野 | 富 | 野 | 山 | 柳 | 小 | 細 | 中 | 安 | 空 | 白 | 百 | 藤 | 水 | 下 | 榎 | 実 | 長 | 柳 | 中 | 宮 | 河 | 井 | 山 | 野 | 富 | 野 | 山 | 柳 | 小 | 細 | 中 | 安 | 空 | 白 | 百 | 藤 | 水 | 下 | 榎 | 実 | 長 | 柳 | 中 | 宮 | 河 | 井 | 山 | 野 | 富 | 野 | 山 | 柳 | 小 | 細 | 中 | 安 | 空 | 白 | 百 | 藤 | 水 | 下 | 榎 | 実 | 長 | 柳 | 中 | 宮 | 河 | 井 | 山 | 野 | 富 | 野 | 山 | 柳 | 小 | 細 | 中 | 安 | 空 | 白 | 百 | 藤 | 水 | 下 | 榎 | 実 | 長 | 柳 | 中 | 宮 | 河 | 井 | 山 | 野 | 富 | 野 | 山 | 柳 | 小 | 細 | 中 | 安 | 空 | 白 | 百 | 藤 | 水 | 下 | 榎 | 実 | 長 | 柳 | 中 | 宮 | 河 | 井 | 山 | 野 | 富 | 野 | 山 | 柳 | 小 | 細 | 中 | 安 | 空 | 白 | 百 | 藤 | 水 | 下 | 榎 | 実 | 長 | 柳 | 中 | 宮 | 河 | 井 | 山 | 野 | 富 | 野 | 山 | 柳 | 小 | 細 | 中 | 安 | 空 | 白 | 百 | 藤 | 水 | 下 | 榎 | 実 | 長 | 柳 | 中 | 宮 | 河 | 井 | 山 | 野 | 富 | 野 | 山 | 柳 | 小 | 細 | 中 | 安 | 空 | 白 | 百 | 藤 | 水 | 下 | 榎 | 実 | 長 | 柳 | 中 | 宮 | 河 | 井 | 山 | 野 | 富 | 野 | 山 | 柳 | 小 | 細 | 中 | 安 | 空 | 白 | 百 | 藤 | 水 | 下 | 榎 | 実 | 長 | 柳 | 中 | 宮 | 河 | 井 | 山 | 野 | 富 | 野 | 山 | 柳 | 小 | 細 | 中 | 安 | 空 | 白 | 百 | 藤 | 水 | 下 | 榎 | 実 | 長 | 柳 | 中 | 宮 | 河 | 井 | 山 | 野 | 富 | 野 | 山 | 柳 | 小 | 細 | 中 | 安 | 空 | 白 | 百 | 藤 | 水 | 下 | 榎 | 実 | 長 | 柳 | 中 | 宮 | 河 | 井 | 山 | 野 | 富 | 野 | 山 | 柳 | 小 | 細 | 中 | 安 | 空 | 白 | 百 | 藤 | 水 | 下 | 榎 | 実 | 長 | 柳 | 中 | 宮 | 河 | 井 | 山 | 野 | 富 | 野 | 山 | 柳 | 小 | 細 | 中 | 安 | 空 | 白 | 百 | 藤 | 水 | 下 | 榎 | 実 | 長 | 柳 | 中 | 宮 | 河 | 井 | 山 | 野 | 富 | 野 | 山 | 柳 | 小 | 細 | 中 | 安 | 空 | 白 | 百 | 藤 | 水 | 下 | 榎 | 実 | 長 | 柳 | 中 | 宮 | 河 | 井 | 山 | 野 | 富 | 野 | 山 | 柳 | 小 | 細 | 中 | 安 | 空 | 白 | 百 | 藤 | 水 | 下 | 榎 | 実 | 長 | 柳 | 中 | 宮 | 河 | 井 | 山 | 野 | 富 | 野 | 山 | 柳 | 小 | 細 | 中 | 安 | 空 | 白 |
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|